□□□□ □□□□□

**स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय**

**स्वास्थ्य एवं परिवार कल्या□ f□□□□**

□□□ □□□

□□□f□□ **प्रश्□ □ख□□** 175*

29 □□म्□□, **2019 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर**

## आयुष्मान भारत योजना के अंतगत मोतियाबिंद □□ □□□□□

*175. **श्री सत्यदेव पचौरीः**

क□□ **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(□) क्या पूरे देश में खान उद्योग इत्यादि में मौजूद कार्य दशा के कारण मोतियाबिंद, एक बड़ी स्वास्थ्य समस्या है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा मोतियाबिंद के प्रमुख कारण क्या हैं;

(□) □युष्मान भारत योजना के अंतगत मोतियाबिंद के लिए उपचार किए गए रोगियों की संख्या कितनी है;

(□) क्या सरकार आयुष्मान भारत योजना से मोतियाबिंद के ऑपरेशन को हटाने का □□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□ □□,□□□ □□□□□क□□ □□□□ □; □□

(□) □क□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□□□□□क□□ □□□□ □□□□ □□ □/□□□□ □□□□□□ f□□□□ □?

<u>□त□□</u>

**स□□स्थ्य और परिवार कल्या□ □त्री** (□. □□□□□)

(□) □□(□): f□□□□ □□□ □□□□ □□ □□ f□□□ □□□ □□

## ि□□□ 29.11.2019 **के लोक सभा तारांकित प्रश्न □ख□□ 175*** □□

## **□त□र म उल्लिखित विवरण**

(□): स□स्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय म राष्ट्रीय दृष्टिहीनता एवं दृष्टिबाधिता नियंत्रण कायक्रम के तहत किए गए राष्ट्रीय दृष्टिहीनता एवं दृष्टिबाधिता नियंत्रण कायक्रम सवक्षण (2015-2019) □□ ि□ष□□ □□ □□□□□, मोतियाबिंद दृष्टिहीनता □□ □ख□ □□□□ □,जो देश म कुल दृष्टिहीनता के 66.2% □□□त□□□□□ □□

एनपीसीबीवीआई के तहत खनन उद्योग म काय करने वाले लोगों पर पृथक रूप □□दृ□ष□□□□□ □□□□ □□□ □□क्ष□ □□□□□□□ □□□ □□ □□: □□□ □द्□□ □ □□□ □□□□□□□लोगों म मोतियाबिंद को □□□□ता के संबंध म पृथक रूप से आंकड़े उपलब्ध □□□□□

मोतियाबिंद प्राथमिक तौर पर आयु संबंधी रोग है, □□ 50 □□ □□□□□□ □□□ □□□□□□□ □ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□ख□ □□□□ □□□□□□ □□:

i. □□□□ □□□
ii. □□□□□ स□□□□□□ ड्रग/□□ ड्रं□□ □□ प्र□□□
iii. □च□ □क□□□□
iv. □□□□□
v. धूप म अधिक रहना
vi. □□ □□□□□ □□□□ □□□

(□): दिनांक 21.11.2019 को स्थिति के अनुसार, □□ष□□□ □□□□ - प्र□□□□त्री □□ □□□ग□ □□□□□ (□□□-□□□□□□□□□) □□□□□ □□□ 2,63,974 रोगियों का मोतियाबिंद □□□□□ □□□□□ ि□□□ □□□ □□

(□) और (घ): वतमान म, □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□-□□□□□□□□□ □□□□□ □□□□ब□ □□ □□ □□□□□द्ध □स□तालों म मोतियाबिंद हेतु लाभार्थियों का उपचार किया जा रहा है।

-*****-